Class - 6
Subject - HINDI
पाठ – 5 मातृभूमि मेरी

1. शब्दार्थ :–

सिंधु	–	समुद्र
वंशी	–	बाँसुरी
सुयश	–	कीर्तिमान
निराली	–	अनोखी
पुनीत	–	पवित्र
धन	–	संसार

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क. श्री कृष्ण क्या बजाया करते थे?

उत्तर श्री कृष्ण बाँसुरी बजाया करते थे।

ख. कवि ने अपनी मातृभूमि किसे कहा है?

उत्तर कवि ने अपनी मातृभूमि भारत देश को कहा है।

ग. चिड़ियाँ मस्त होकर कहाँ चहक रही हैं?

उत्तर चिड़ियाँ मस्त होकर झाड़ियों में चहक रही हैं।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क. कवि ने भारतभूमि को किन–किन नामों से संबोधित किया है?

उत्तर कवि ने भारतभूमि को जन्म भूमि, पुण्य भूमि, स्वर्ण भूमि, धर्म भूमि, कर्म भूमि, युद्ध भूमि, बुद्ध भूमि और मातृ भूमि नामों से संबोधित किया है।

ख. भारतभूमि को किन कारणों से पुण्यभूमि माना जाता है?

उत्तर भारतभूमि को देवों की भूमि माना जाता है। ऊँचा हिमालय पर्वत आकाश को चूमता है। तो पवित्र गंगा धरती की शोभा में चार चाँद लगाती है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता का सार इसी धरती पर सुनाया। गौतम बुद्ध जैसे देव पुरूष ने जन्म लेकर धरती का मान बढ़ाया है। इन्हीं देव पुरूषों के यश गाथा के कारण भारतभूमि को पुण्यभूमि माना जाता है।

ग. हमारे देश की मुख्य नदियाँ कौन–सी हैं?

उत्तर हमारे देश की मुख्य नदियाँ गंगा और यमुना हैं।

घ. कवि ने भारतभूमि को युद्धभूमि क्यों कहा है?

उत्तर श्री राम और वीर भरत की जन्म भूमि भारत है। भरत जैसे प्रतापी राजा के नाम पर ही भारत देश का नाम पड़ा। इसके अलावा भी कई वीर योद्धाओं ने इस पावन भूमि पर जन्म लेकर दुश्मनों को युद्धभूमि में धूल चटाया है। इसलिए कवि सोहनलाल द्विवेदी ने भारतभूमि को युद्धभूमि की संज्ञा दी है।

4. मूल्यपरक प्रश्न

इस कविता के माध्यम से कवि हमें क्या संदेश देना चाहता है?

उत्तर इस कविता के माध्यम से कवि सोहनलाल द्विवेदी हम भारतवासियों के हृदय में देश प्रेम की भावना को जागृत करना चाहते हैं। इस कविता में कवि ने भारत माँ की यशोगाथा का वर्णन किया है तथा भारत भूमि को विश्व का मार्गदर्शक बताया है।